

ए चटिठी ह ओ यहूदी मसीहीमन ला लिखे
 गे हवय, जऊन मन ऊपर बहुंत सतावा
 होय के कारन, अपन मसीही बसिवास
 ला छोड़े के खतरा पैदा हो गे रहिसि। ए
 बात म एका नई ए, की ए चटिठी ला कोन
 लिखे हवय, हालाकी कतको मनखेमन
 सोचथें की ए चटिठी ला पौलुस लिखे
 हवय। ए चटिठी के लिखइया ह चटिठी
 के पढ़इयामन ला उत्साहित करथे की
 ओमन यीसू के बसिवास म बने रह्य।
 ओह ओमन ला बताथे की यीसू मसीह ह
 परमेसर के सच्चा अऊ आखरी परकासन
 ए। ए चटिठी के लिखइया ह तीन बात म
 जोर देथे। पहिला—यीसू मसीह ह परमेसर
 के बेटा ए, जऊन ह दुःख सहत परमेसर
 के हुकूम ला मानना सखिसि। परमेसर के
 बेटा के रूप म, यीसू ह जुनना नियम के
 अगमजानीमन ले अऊ स्वरगदूत अऊ मूसा
 ले महान ए। दूसरा—परमेसर ह यीसू ला
 सदाकाल के महा पुरोहित घोसति करथे
 अऊ ओह जुनना नियम के महा पुरोहितमन
 ले महान ए। तीसरा—एक बसिवासी ह पाप,
 डर अऊ मरितू ले यीसू के दुवारा बचाय
 जाथे अऊ महा पुरोहित के रूप म यीसू ह
 सच्चा उद्धार देथे। चटिठी के लिखइया ह
 11 अध्याय म नामी इसरायली मनखेमन
 के उदाहरन देथे अऊ ओह चटिठी के
 पढ़इयामन ले बनिती करथे की ओमन यीसू
 के बसिवास म आखरी तक बने रह्य।
 ओह कहथे की ओमन यीसू ऊपर ध्यान
 लगाय रह्य अऊ धीर धरके दुःख अऊ
 सतावा ला सह्य। ओह ए चटिठी ला कुछ
 सलाह अऊ चेतनी देवत बंद करथे।
 ए चटिठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा
 सकथे।
 मसीह ह परमेसर के पूरा-पूरी परकासन ए
 1:1-3
 मसीह ह स्वरगदूतमन ले महान ए 1:4-
 2:18
 मसीह ह मूसा अऊ यहोशू ले महान ए
 3:1-4:13

मसीह के पुरोहिती के महानता 4:14-7:28
 मसीह के करार के महानता 8-9
 यीसू के बलिदान के महानता 10
 बसिवास के सुरूआत के महानता 11-12
 उपदेस अऊ सार 13

बेटा ह स्वरगदूतमन ले बड़े ए

1 पहिली जमाना म, परमेसर ह हमर
 पुरखामन ले, कतको बार अऊ
 कतको किसिम ले अगमजानीमन के दुवारा
 गोठियाईस, 2पर ए आखरी दिन म, ओह
 हमर ले अपन बेटा के दुवारा गोठियाईस,
 जऊन ला ओह जम्मो चीज के ऊपर वारसि
 ठहराईस अऊ ओकरे दुवारा, ओह संसार ला
 बनाईस। 3ओह परमेसर के महिमा के अंजोर
 ए अऊ ओह परमेसर के रूप के एकदम सही
 परतनिधि ए अऊ ओह अपन सामरथी
 बचन के दुवारा जम्मो चीजमन ला संभालके
 रखथे। ओह मनखेमन के पाप ला सुध करके,
 स्वरग म परमेसर के जेवनी हांथ कोर्ता जा
 बईठसि। 4एकरसेर्ता ओह स्वरगदूतमन ले
 जादा उत्तम ठहरसि, जइसने की परमेसर ह
 ओला स्वरगदूतमन ले उत्तम नांव घलो दे
 रहिसि।

5काबरकीपरमेसर ह कोनो स्वरगदूत ला
 कभू ए नई कहसि,

“तेंह मोर बेटा अस;
 आज मेंह तोला पैदा करेंव।”

या फेर ए नई कहसि,

“मेंह ओकर ददा होहूं,
 अऊ ओह मोर बेटा होही।”

6पर जब परमेसर ह अपन पहिलांत बेटा ला
 संसार म लानथे, त कहथे,

“परमेसर के जम्मो स्वरगदूतमन ओकर
 आराधना करंय।”

7स्वरगदूतमन के बारे म परमेसर ह ए
 कहथे,

“परमेसर ह अपन स्वरगदूतमन ला
 पवन,

अऊ अपन सेवकमन ला धधकत
आगी बनाथे।”

8पर बेटा के बारे म ओह कहथि,

“हे परमेसर, तोर सधिसन ह सदाकाल
तक रहहीं,
अऊ धरमीपन ह तोर राज के राज-दंड
होही।

9तेंह धरमीपन ले मया करय अऊ अधरम
ले घनि करय;
एकरसेती, परमेसर,
तोर परमेसर ह आनंद के तेल ले तोर
अभसिक करे के दुवारा तोला तोर
संगीमन ले ऊपर करे हवय।”

10ओह ए घलो कहथि,

“हे परभू, सुरू म, तेंह धरती के नीव
रखय,
अऊ तेंह अपन हांथ ले स्वरगमन ला
बनाय।

11ओमन तो नास हो जाहीं,
फेर तेंह बने रहबि; ओमन जम्मो पहरि
के कपड़ा सहीं जुनूना हो जाहीं।

12तेंह ओमन ला चादर सहीं घरयाबि;
अऊ ओनुढा के सहीं ओमन बदल दयि
जाहीं।

फेर तेंह हमेसा वइसनेच के वइसने
रहथिस,
अऊ तेंह कभू डोकरा नइ होवस।”

13परमेसर कभू कोनो स्वरगदूत ला ए नइ
कहसि,

“मोर जेवनी हांथ कोती बईठ,
जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला
तोर गोड़ तरी के चौकी नइ बना
देवंव।”

14का जम्मो स्वरगदूतमन सेवा करइया
आतमा नो हंय? हव, ओमन अंय। अऊ ए
स्वरगदूतमन ओमन के सेवा करे खातरि
पठोय जाथें, जऊन मन उद्धार पाहीं।

चेतउनी

2 एकरसेती, जऊन बातमन ला हमन
सुने हवन, ओकर ऊपर हमन ला अऊ
धयान देना चाही, ताकिहमन ओ बातमन ले
झन भटक जावन। 2काबरका स्वरगदूतमन
के दुवारा कहे गे संदेस ह सच रहिसि अऊ
जऊन कोनो ओकर पाछू नइ चलसि या
ओला नइ मानसि, ओला ओकर सही-सही
दंड मलिसि। 3यदिहमन अइसने बड़े उद्धार
ला धयान नइ देवन, त हमन कइसने बच
सकथन। ए उद्धार के बखान पहिली परभू के
दुवारा करे गीस, अऊ जऊन मन एला सुननि,
ओमन के दुवारा हमन ला एकर नसिचय
होईस। 4परमेसर ह घलो चनिहां, अद्भूत
काम अऊ कतको किसिम के चमतकार के
दुवारा एकर गवाही दीस अऊ ओह पबतिर
आतमा के बरदान के दुवारा घलो एकर
गवाही दीस, जऊन ला का ओह अपन ईछा
के मुताबकि मनखेमन ला दे हवय।

यीसू ह अपन भाईमन सहीं बनसि

5अवइया संसार, जेकर बारे म हमन चरचा
करत हवन, परमेसर ह ओला स्वरगदूतमन
के अधीन म नइ करसि। 6परमेसर के बचन
म एक झन एक जगह गवाही दे हवय:

“मनखे ह का ए कि तेंह ओकर चिता
करथस,
या मनखे के बेटा ह का ए कि तेंह
ओकर देख-रेख करथसb?

7तेंह ओला स्वरगदूतमन ले थोरकन कम
करके बनाय,
तेंह ओकर ऊपर महिमा अऊ आदर के
मुकुट रखय।

8 अऊ हर एक चीज ला ओकर गोड़ के
खालहे कर देय।”

हर एक चीज ला ओकर अधीन करके,
परमेसर ह अइसने कोनो चीज ला नइ
छोड़सि, जऊन ह ओकर अधिकार म नइ
ए। पर अभी हमन हर एक चीज ला ओकर
अधीन म नइ देखथन। 9पर हमन यीसू ला
देखथन, जऊन ह स्वरगदूतमन ले थोरकन
कम करके बनाय गीस अऊ अब मरितू के

दुःख उठाय के कारन, ओह महिमा अऊ आदर के मुकुट पहिर हवय, ताका परमेसर के अनुग्रह के दुवारा ओह जम्मो मनखे बर मर जावय।

10 एह उचित रहिस कि परमेसर, जेकर दुवारा अऊ जेकर बर हर एक चीज बनाय गीस, ओह यीसू ला दुःख उठाय के जरयि सिद्ध करय, ताका ओह बहुते बेटामन ला लानय अऊ यीसू के महिमा म भागी बनावय। काबरका यीसू ह ओ जन ए, जेकर दुवारा ओमन उद्धार पाथें। 11 जऊन ह मनखेमन ला पबतिर करथे अऊ जऊन मन पबतिर करे जाथें; ए दूनों एक ही परिवार के अंग। एकरसेती, यीसू ह ओमन ला अपन भाई कहे ले नई लजावय। 12 ओह कहथि,

“हे परमेसर, मेंह अपन भाईमन ला तोर बारे म बताहू;
सभा के आघू म तोर परसंसा के गीत गाहू।”

13 ओह फेर कहथि,

“मेंह ओकर ऊपर अपन भरोसा रखहू।”
अऊ ओह फेर कहथि,

“इहां मेंह लइकामन संग हवंव, जऊन मन ला परमेसर मोला दे हवय।”

14 जब लइकामन मांस अऊ लहू के बने हवंव, त यीसू ह खुद ओमन के सहीं बनसि अऊ ओमन के मनखे सुभाव म भागी होईस, ताका अपन मरितू के दुवारा, ओह सेतान के नास करय, जेकर करा मरितू के सकृती हवय- 15 अऊ ओह ओमन ला छोड़ावय, जऊन मन अपन मरितू के डर के कारन जनिगी भर गुलामी म रहिनि। 16 काबरका ए बात ह पक्का ए कि ओह स्वरगदूतमन के नई, पर अब्राहम के संतानमन के मदद करथे। 17 एकरसेती, ओला हर किसिम ले अपन भाईमन सहीं बने बर पड़सि, ताका ओह परमेसर के सेवा म, एक दयालु अऊ बसिवास लइक महा पुरोहित बनय अऊ ओह मनखेमन के पाप के समाधान (पछताप) करय। 18 काबरका जब ओकर परछा करे

गीस, त ओह खुद दुःख उठाईस, एकरसेती ओह ओमन के मदद कर सकथे, जऊन मन परछा म पड़थें।

यीसू ह मूसा ले महान ए

3 एकरसेती, हे पबतिर भाईमन, जऊन मन स्वरगीय बुलावा म सहभागी हव; अपन धियान यीसू ऊपर लगावव, जऊन ला हमन प्रेरति अऊ महा पुरोहित मानथन। 2 परमेसर ह ओला चुने रहिसि, अऊ ओह परमेसर के बसिवास लइक रहिसि, जइसने कि मूसा ह परमेसर के जम्मो घराना म बसिवास लइक रहिसि। 3 घर के बनइया ह घर ले जादा आदर पाथे, वइसनेच यीसू ह मूसा ले बढ़के आदर पाय के लइक समझे गीस। 4 काबरका हर एक घर के कोनो न कोनो बनइया होथे। पर जऊन ह जम्मो चीज ला बनाईस, ओह परमेसर ए। 5 एक सेवक के रूप म मूसा ह परमेसर के जम्मो घराना म बसिवास लइक रहिसि, अऊ ओह ओ बात के गवाही दीस, जऊन ला परमेसर ह अवइया समय म बताने वाला रहिसि। 6 पर मसीह ह एक बेटा के रूप म, परमेसर के घराना ऊपर बसिवास लइक अय। अऊ हमन ओकर घराना अन, यदि हमन अपन हिम्मत अऊ आसा म बने रहथिन, जेकर कि हमन ला घमंड हवय।

अबसिवास के बरिध म चेतउनी

7 एकरसेती, जइसने कि पबतिर आत्मा ह कहथि:

“आज, यदि तुमन ओकर अवाज ला सुनथव,

8 त अपन हरिदय ला कठोर इन करव,
जइसने कि तुम्हर पुरखामन नरिजन
प्रदेस म,
बदिरोही होके परखे जाय के बेरा
परमेसर के बरिध म करे रहिनि।

9 ओमन उहां मोला परखनि अऊ जांचनि,
अऊ चालीस साल तक मोर काम ला देखनि।

10 एकरे कारन, मेंह ओ पीढ़ी के मनखेमन ले नराज रहेव,
अऊ मेंह कहेंव, 'ओमन के मन ह हमेसा भटकत रहथि,
अऊ ओमन मोर रसता ला नई जानय।' 11 एकरसेती, मेंह कोरोध म कसम खाके कहेंव,
'ओमन ओ ठऊर म कभू नई जा सकहीं, जहिं मेंह ओमन ला अराम देवइया रहेव।' "

12 हे भाईमन हो, एकर धयान रखव की तुमन ले काकरो पापमय अऊ अबसिवासी हरिदय इन होवय, जऊन ह की जीयत परमेसर ले दूरहि हो जाथे। 13 पर हर एक दिन, एक-दूसर ला ढाढ़स बंधावव, जब तक की एला आज कहे जाथे, ताकी तुमन कोनो घलो पाप के छल म पड़के कठोर इन होवव। 14 जऊन बसिवास, हमर करा सुरू म रहिसि, यदी हमन ओम आखरी तक मजबूत बने रहन, तबे मसीह के काम म हमर बांटा हवय। 15 जइसने की परमेसर के बचन म ए कहे गे हवय:

“यदी आज तुमन ओकर अवाज ला सुनथव,
त अपन हरिदय ला कठोर इन करव,
जइसने की तुम्हर पुरखामन परमेसर के बरिध म बदिरोही होके करनि।”

16 ओमन कोन रहनि, जऊन मन परमेसर के अवाज ला सुननि, अऊ ओकर बरिध म बदिरोह करनि? का ओमन ओ जम्मो मनखे नई रहनि, जऊन मन ला मूसा ह मसिर देस ले नकारके लानसि? 17 अऊ काकर ले परमेसर ह चालीस साल तक नराज रहिसि? का ओमन ले नो हय, जऊन मन पाप करनि अऊ नरिजन प्रदेस म गरिके मर गीन? 18 अऊ परमेसर ह कसम खाके कोन ला कहसि की ओमन ओकर बसिराम म कभू नई जा सकहीं? सरिपि ओमन ला, जऊन मन ओकर हुकूम नई माननि। 19 ए किसिम ले,

हमन देखथन की ओमन अपन अबसिवास के कारन ओ देस म नई जा सकनि।

परमेसर के मनखेमन बर बसिराम

4 एकरसेती, जब परमेसर के बसिराम म जाय के वायदा ह अभी तक कायम हवय, त हमन ला सचेत रहना चाही ताकी तुमन ले कोनो घलो ओ बसिराम म जाय बर नकाबलि इन होवव। 2 काबरकी हमन ला घलो सुघर संदेस सुनाय गीस, जइसने ओमन ला सुनाय गे रहिसि, पर जऊन संदेस ओमन सुननि, ओकर ले ओमन ला कोनो फायदा नई होईस, काबरकी जऊन मन एला सुननि, ओमन बसिवास के संग एला गरहन नई करनि। 3 हमन जऊन मन की बसिवास करे हवन, ओ बसिराम म जाथन, जइसने की परमेसर ह कहे हवय,

“एकरसेती मेंह नराज होके कसम खाएव,
ओमन मोर बसिराम म कभू नई जा सकहीं।”

हालाकी ओकर काम ह ओ समय पूरा हो गे रहिसि, जब ओह संसार ला बनाईस। 4 काबरकी कोनो मेर, ओह सातवां दिन के बारे म अइसने कहे हवय, “अऊ सातवां दिन, परमेसर ह अपन जम्मो काम ले बसिराम करसि।” 5 अऊ फेर, ओही बसिय म, ओह ए कहथि, “ओमन मोर बसिराम म कभू नई जा सकहीं।”

6 एह अभी तक लागू हवय की कुछू मनखे, ओ बसिराम म जा सकहीं अऊ जऊन मन ला पहिली सुघर संदेस सुनाय गे रहिसि, ओमन एम नई जा सकनि, काबरकी ओमन परमेसर के हुकूम ला नई माननि। 7 एकरसेती, परमेसर ह एक आने दिन ला तय करथे, जऊन ला “आज” कहे जाथे। बहुत समय के बाद, ओह दाऊद राजा के जरयि एकर बारे म कहसि, जइसने की परमेसर के बचन म लखाय हवय:

“यदी आज तुमन ओकर अवाज ला सुनथव,

त अपन हरिदय ला कठोर झन करव।”

8काबरकी, यर्दायहोसू ह ओमन ला बसिराम दे रहिसि, त परमेसर ह बाद म, आने दिन के बारे म नई गोठियाय रहितिसि। 9एकरसेति, परमेसर के मनखेमन बर, एक बसिराम बचे हवय। 10काबरकी जऊन ह परमेसर के बसिराम म जाथे, ओह अपन काम ले घलो बसिराम करथे, जइसने परमेसर ह अपन काम ले बसिराम करसि। 11एकरसेति, आवव, हमन ओ बसिराम म जाय के पूरा कोससि करन, ताकी अइसने झन होवय की कोनो मनखे ओमन सहीं हुकूम नई मानके गरि पड़्य।

12परमेसर के बचन ह जीयत अऊ काम करत हवय। एह दू धार वाले तलवार ले घलो चोक हवय। एह जीव अऊ आतमा, जोड़ अऊ गुदा मन ला अलग-अलग करके आर-पार छेदथे। एह मनखे के मन के बचिर अऊ ईछा ला जांचथे। 13संसार के कोनो घलो चीज परमेसर के नजर ले छपि नई ए। ओकर आंखी के आघू म जम्मो चीजमन खुला अऊ बगिर परदा के हवय अऊ हमर बर ए जरूरी अय की हमन ओला अपन लेखा देवन।

यीसू—बड़े महा पुरोहित

14एकरसेति, जब हमर एक बड़े महा पुरोहित हवय, जऊन ह स्वरगमन ले होके गे हवय। अऊ ओह परमेसर के बेटा यीसू ए; त आवव, हमन ओ बसिवास म मजबूत बने रहन, जऊन ला हमन मानथन। 15काबरकी हमर महा पुरोहित अइसने नो हय, जऊन ह हमर कमजोरी म, हमर संग सहानुभूति नई रखय, पर हमर महा पुरोहित हमर सहीं हर कसिम ले परखे गीस, पर ओह पाप नई करसि। 16एकरसेति आवव, हमन बसिवास के संग अनुग्रह के संधिसन करा चलन, ताकी हमर ऊपर दया होवय अऊ जरूरत के बखत, हमन ला मदद करे बर अनुग्रह मलिय।

5 हर एक महा पुरोहित ह मनखेमन ले चुने जाथे अऊ ओह मनखेमन कीर्ति

ले परमेसर के सेवा करे बर ठहराय जाथे की ओह परमेसर ला भेंट अऊ पाप खातरि बली चघावय। 2ओह अगियांनी अऊ भटके मनखेमन ले नरमी से बरताव करे सकथे, काबरकी ओह खुद एक नरिबल मनखे ए। 3एकरे कारन, ओला खुद के पाप खातरि अऊ संगे-संग मनखेमन के पाप खातरि बलिदान चघाना जरूरी ए।

4कोनो खुद होके आदर के ए पद ला नई लेवय; ओकर बुलाहट परमेसर के दुवारा होना जरूरी ए, जइसने की हारून ह बलाय गे रहिसि। 5एकरसेति, मसीह घलो महा पुरोहित बने के महिमा ला अपन ऊपर नई लीस। पर परमेसर ह ओला कहसि,

“तेंह मोर बेटा अस;

आज मेंह तोला पैदा करे हवंव।”

6ओह दूसर जगह म घलो कहथि,

“तेंह मलकसिदिक के सहीं

सदाकाल बर एक पुरोहित अस।”

7धरती म जब यीसू ह रहिसि, त ओह चचिया-चचियाके अऊ आंसू बोहाके परमेसर ले पराथना अऊ बनिती करसि, जऊन ह ओला मरितू ले बचा सकत रहिसि, अऊ ओकर भक्ती के कारन, परमेसर ह ओकर बात ला सुनसि। 8ओह परमेसर के बेटा रहिसि, फेर दुःख सहे के दुवारा, ओह हुकूम माने बर सखिसि, 9अऊ जब ओह सिद्धि हो गीस, त ओह ओ जम्मो मन बर सदाकाल के उद्धार के जरिया बन गीस, जऊन मन ओकर हुकूम ला मानथें, 10अऊ मलकसिदिक के सहीं, परमेसर ह ओला महा पुरोहित के पद दीस।

बसिवास ले दूरिहा होय के बरिध म चेतउनी

11एकर बारे म कहे बर, हमर करा कतको बात हवय, पर एला समझाना कठनि ए, काबरकी तुमन बहुत धीरे सखिथव। 12वास्तव म, अब तक तुमन ला गुरू बन जाना रहिसि, पर अभी घलो ए बात के जरूरत हवय की कोनो तुमन ला फेर परमेसर के

बचन के सुरू के बातमन ला सखिवय। ठोस भोजन के बदले, तुमन ला अभी घलो गोरस के जरूरत हवय। 13जऊन ह गोरस पीके जीथे, ओला धरमीपन के पहिचान नई रहय, काबरका ओह अभी तक लइका हवय। 14पर ठोस भोजन ह सयाना मनखेमन बर अय, जऊन मन लगातार अभियास के दुवारा भलई अऊ बुरई के पहिचान करे म, अपन-आप ला पक्का कर ले हवय।

6 एकरसेती आवव, मसीह के बारे म जऊन सुरू के सकिछा ए, ओला छोड़के हमन ओकर सकिछा म सयान होवत जावन। हमन ए बातमन के नीव फेर झन रखन—जइसने का ओ काम ले पछतावा करई, जऊन ह हमन ला मरितू कोती ले जाथे, परमेसर के ऊपर बसिवास करई, 2बतसिमा, हांथ रखई, मरे मन के जी उठई अऊ सदाकाल के नयाय के बारे नरिदेस। 3अऊ कहूं परमेसर के अनुमती होही, त हमन ए काम घलो करबो।

4एक बार जऊन मन परमेसर के अंजोर म आ गे हवय, जऊन मन स्वरगीय बरदान के सुवाद ला चख ले हवय, जऊन मन पबतिर आतमा के भागीदार हो गे हवय, 5जऊन मन परमेसर के बचन के भलई अऊ अवइया समय के सकृती ला जान गे हवय, 6कहूं ओमन बसिवास ले भटक जावय, त ओमन ला पछताप करे बर वापस लाना असंभव ए, काबरका अपन नुकसान करके, ओमन परमेसर के बेटा ला फेर कुरुस म चघावत हवय अऊ खुले आम ओकर ऊपर कलंक लगावथें।

7परमेसर ह ओ भुइयां ला आससि देथे, जऊन ह अक्सर अपन ऊपर गरिइया बरसात के पानी ला सौंख लेथे अऊ ओमन बर बने फसल उपजाथे, जऊन मन एम खेती-बाड़ी करथें। 8पर ओ भुइयां, जऊन ह कांटा अऊ कंटिला पौधा उपजाथे, ओह बेकार ए, अऊ ओकर ऊपर परमेसर ले सराप पाय के खतरा हवय। आखिरी म, एह आगी म बारे जाही।

9मयारू संगवारी हो, हालाका हमन अइसने गोठियावत हन, पर हमन ला तुम्हर बारे म

अऊ बने बातमन के भरोसा हवय, जऊन बातमन उद्धार के संग आथें। 10परमेसर ह अनयायी नो हय; ओह तुम्हर काम ला नई भुलावय, अऊ ओ मया ला नई भुलावय, जऊन ला तुमन ओकर मनखेमन के मदद करे के दुवारा ओला देखाय हवव अऊ तुमन अभी घलो ओमन के मदद करत हवव। 11हमन चाहथन का तुमन ले हर एक झन आखिरी तक अइसनेच महिनत करते रहय, ताका तुम्हर आसा ह पक्का होवय। 12हमन नई चाहथन का तुमन आलसी बनव, पर ओमन के नकल करव, जऊन मन बसिवास अऊ धीरज के दुवारा ओ चीज के वारसि बनथें, जेकर वायदा परमेसर ह करे हवय।

परमेसर के परतगियां अटल ए

13जब परमेसर ह अब्राहम ले परतगियां करसि, त ओकर ले बड़े अऊ कोनो नई रहिनि, जेकर ओह करिया खा सकय, एकरसेती ओह अपन खुद के करिया खाके 14कहसि, “ए बात पक्का अय का मैंह तोला आससि दूहूं अऊ तोर बंस म बहुत संतान होही।” 15अब्राहम ह धीरज धरके बाट जोहसि; अऊ तब ओह ओ चीजमन ला पाईस, जेकर परतगियां परमेसर ह करे रहिसि।

16मनखेमन अपन ले कोनो बड़े के कसम खाथें, अऊ कसम ह कहे गे बात ला पक्का करथे अऊ जम्मो बविाद के नपिटारा करथे। 17काबरका परमेसर ह अपन परतगियां के वारसिमन ला, ए साफ-साफ बता दे बर चाहसि का ओकर उदेस्य ह कभू नई बदलय; एकरसेती ओह कसम खाय के दुवारा एला पक्का करसि। 18परमेसर ह ए करसि, ताका नई बदलइया दू ठन बात (परमेसर के परतगियां अऊ ओकर कसम) के जरयि परमेसर ला लबरा साबति करना असंभव होवय, अऊ हमन ला, जऊन मन का सिरन पाय बर भागे हवन, बहुते उत्साह मलिय, अऊ हमन ओ आसा ला पा सकन, जऊन ला हमर आघू म रखे गे हवय। 19हमर करा ए आसा ह हमर जीव बर पानी जहाज के

एक लंगर सही अय—मजबूत अऊ सुरछति। एह पबतिर जगह के भीतरी भाग म जाथे, जऊन ह परदा के पाछू म हवय, 20जहिं यीसू ह हमर ले पहिली, हमर कोर्ता ले गे हवय। ओह मलकसिदिक के सही सदाकाल बर एक महा पुरोहित बन गे हवय।

मलकसिदिक पुरोहित

7 ए मलकसिदिक सालेम के राजा अऊ परम परधान परमेसर के एक पुरोहित रहिसि। जब अब्राहम ह राजामन ला हराके लहुंटत रहिसि, त ओह अब्राहम ले भेंट करसि अऊ ओला आससि दीस; 2अऊ अब्राहम ह ओला हर एक चीज के दसवां भाग दीस। मलकसिदिक नांव के पहिली मतलब होथे—“धरमीपन के राजा” तब ए नांव के मतलब “सालेम के राजा” याने कि “सांता के राजा” घलो होथे। 3मलकसिदिक के दाई या ददा या ओकर पुरखा के कोनो पता नई ए। ओकर जनम अऊ ओकर मरितू के घलो कोनो लेखा नई ए। ओह परमेसर के बेटा के सही सदाकाल बर एक पुरोहित अय।

4तुमन सोचव कि ओह कतेक महान रहिसि; अऊ त अऊ कुल के मुखिया अब्राहम ह ओला लड़ई म लूटे गय माल के दसवां भाग दीस। 5लेवी के बंस म ले जऊन मन पुरोहित बनथें, ओमन ला मूसा के कानून ह हुकूम देथे कि ओमन मनखेमन ले दसवां भाग जमा करंय, अऊ ए मनखेमन ओमन के भाई अंय, हालाकि ए भाईमन घलो अब्राहम के बंस अंय। 6पर मलकसिदिक ह लेवी के बंस के नई रहिसि, तभो ले ओह अब्राहम ले दसवां भाग लीस अऊ ओला आससि दीस, जेकर करा परमेसर के परतगियां रहिसि। 7अऊ ए बात म कोनो संदेह नई ए कि छोटे मनखे ह बड़े मनखे ले आससि पाथे। 8पुरोहितमन के मामला म, दसवां भाग ओ मनखेमन के दुवारा लयि जाथे, जऊन मन मर जाथें, पर मलकसिदिक के मामला म, दसवां भाग ओकर दुवारा लयि गीस, जेकर बारे म ए गवाही दे गे हवय कि ओह जीयथे। 9त

हमन ए कह सकथन कि लेवी जऊन ह दसवां भाग लेथे, ओह अब्राहम के जरयि दसवां भाग दीस। 10काबरकि जब मलकसिदिक ह अब्राहम ले मलिसि, त लेवी ह अपन पुरखा अब्राहम के सरीर म, ओ समय रहिसि।

यीसू ह मलकसिदिक के सही

11यदि लेवीमन के पुरोहित पद के जरयि सिद्धता मलितसि (काबरकि एकरे आधार म, मनखेमन ला मूसा के कानून ह दयि गीस), त फेर एकर का जरूरत रहिसि कि एक आने पुरोहित ह हारून के जाति म ले नई, पर मलकसिदिक के जाति म ले आवय? 12काबरकि जब पुरोहित पद ह बदले जाथे, तब मूसा के कानून घलो बदलना जरूरी ए। 13हमर परभू जेकर बारे म ए जम्मी बात कहे जाथे, ओह एक आने गोत्र के अय अऊ ओ गोत्र म ले, कोनो अभी तक बेदी म पुरोहित के रूप म सेवा नई करे हवय। 14काबरकि ए बात ह साफ ए कि हमर परभू ह यहूदा के गोत्र म ले आईस अऊ ए गोत्र के बसिय म मूसा ह पुरोहित पद के कुछ चरचा नई करे हवय। 15अऊ जऊन बात हमन कहे हवन, ओह अऊ साफ हवय कि मलकसिदिक के सही एक आने पुरोहित परगट होईस, 16जऊन ह अपन पुरखामन के नियम के आधार म पुरोहित नई बनसि, पर ओह अमर जनिगी के सामरथ के आधार म पुरोहित बनसि। 17काबरकि ओकर बारे म ए कहे गे हवय:

“तेंह मलकसिदिक के सही सदाकाल बर एक पुरोहित अस।”

18पहिली के नियम ला अलग कर दयि गीस, काबरकि एह कमजोर अऊ बेकार रहिसि। 19(काबरकि मूसा के कानून ह कोनो भी चीज ला सिद्ध नई बनाईस), अऊ अब एक उत्तम आसा दयि गे हवय, जेकर दुवारा हमन परमेसर के लकठा म जाथन।

20अऊ एह बिना कसम (करिया) के नई रहिसि। आने मन बगिर कोनो कसम के पुरोहित बननि, 21पर ओह (यीसू) एक

कसम के संग पुरोहित बनसि, जब परमेसर ह ओला कहसि:

“परभू ह कसम खाईस
अऊ ओह अपन मन ला नई बदलय,
तेह सदाकाल बर एक पुरोहित अस।”

22ए कसम के कारन, यीसू ह अऊ बने करार के जमानतदार हो गीस।

23पहिली बहुत पुरोहितमन रहिनि, पर ओमन अपन काम पूरा नई कर सकनि काबरकी ओमन मर गीन; 24पर यीसू ह सदाकाल बर जीयथे; ओकर पुरोहित पद ह सदाकाल बर ए। 25एकरसेती, ओह ओमन के पूरा-पूरी उद्धार कर सकथे, जऊन मन ओकर जरथि परमेसर करा आथे, काबरकी ओह ओमन खातिर बनिती करे बर हमेसा जीयत हवय।

26अइसने महा पुरोहित ह हमर जरूरत ला पूरा करथे, जऊन ह पबतिर, नरिदोस अऊ सुध ए। ओह पापीमन ले अलग करे गे हवय अऊ स्वरगमन ले ऊंचा उठाय गे हवय। 27आने महा पुरोहितमन सही, ओला दिन प्रतदिनि पहिली अपन खुद के पाप खातिर अऊ तब मनखेमन के पाप खातिर बली चघाय के जरूरत नई ए। ओह अपन-आप ला ओमन के पाप बर बली चघाके, ए काम ला सदाकाल खातिर एकेच बार म पूरा कर दीस। 28काबरकी मूसा के कानून ह ओ मनखेमन ला महा पुरोहित के रूप म ठहराथे, जऊन मन सद्धि नो हंय; पर परमेसर के कसम, जऊन ह मूसा के कानून के बाद आईस, ओ बेटा ला ठहराईस, जऊन ह सदाकाल के खातिर सद्धि बनाय गे हवय।

नवां करार के महा पुरोहित

8 हमर कहे के सार बात ए अय: हमर करा एक अइसने महा पुरोहित हवय, जऊन ह स्वरग म महामहमि परमेसर के सधिसन के जेवनी हांथ कोती जा बईठसि, 2अऊ ओह ओ पबतिर जगह म सेवा करथे, जऊन ह अराधना के सही तम्बू ए अऊ एह मनखे के दुवारा नई, पर परभू के दुवारा खड़े करे गे हवय।

3हर एक महा पुरोहित ह भेंट अऊ बलिदान चघाय बर ठहराय जाथे, एकरसेती ए महा पुरोहित बर घलो जरूरी रहिसि की ओकर करा चघाय बर कुछूरहय। 4यदीओह धरती म होतसि, त ओह एक पुरोहित नई होतसि, काबरकी मूसा के कानून के मुताबिक भेंट चघाय बर पुरोहितमन हवय। 5जऊन सेवा ओमन पुरोहित के रूप म पबतिर जगह म करथे, ओह ओकर एक नकल अऊ छइहां ए, जऊन ह स्वरग म हवय। एकरसेती जब मूसा ह अराधना के तम्बू ला बनइया रहिसि, त ओला ए चेतउनी मलि रहिसि, “देख, तेह हर एक चीज ओ नमूना के मुताबिक बना, जऊन ह तोला पहाड़ के ऊपर देखाय गे रहिसि।” 6पर जऊन सेवकी यीसू ला मलि हवय, ओह अऊ उत्तम अय, जइसने की ओ करार जेकर मध्यस्थ यीसू अय, जुनना करार ले अऊ उत्तम अय, काबरकी एह अऊ उत्तम परतगियां ऊपर आधारित हवय। 7यदी पहिली करार म कुछू गलती नई होतसि, त दूसर करार के जरूरत नई होतसि। 8पर परमेसर ह मनखेमन म गलती पाईस अऊ कहसि;

“परभू ह कहथि, समय ह आवत हवय,
जब मेंह इसरायल के घराना संग
अऊ यहूदा के घराना संग
नवां करार करहूं।

9एह ओ करार सही नई होवय,
जऊन ला मेंह ओमन के पुरखामन संग
करे रहेंव,
जब मेंह ओमन के हांथ धरके ओमन ला
मसिर देस ले नकिार लानेंव,
काबरकी ओमन मोर करार के पालन नई
करनि,
एकर खातिर मेंह ओमन के खयाल नई
रखेंव,
परभू ह ए बात कहथि।

10परभू ह कहथि, ओ समय के बाद,
मेंह इसरायल के घराना के संग ए
करार करहूं—
मेंह अपन कानून ला ओमन के मन म
डालहूं

अऊ ओमन ला ओमन के हरिदय म
लखिहूँ।

मेंह ओमन के परमेसर होहूँ अऊ ओमन
मोर मनखे होहीँ।

11 कोनो अपन पड़ोसी ला, ए नई सीखोही
या कोनो अपन भाई ले, ए नई कहहिही
कि 'परभू ला जानव,'

काबरक छोटे ले लेके बड़े तक, ओमन
जम्मो झन मोला जानहीँ।

12 मेंह ओमन के पाप ला छेमा करहूँ,
अऊ ओमन के पाप ला फेर कभू सुरता
नई करहूँ।”

13 ए करार ला “नवां करार” कहे के
दुवारा, परमेसर ह पहिली के करार ला बगिर
काम के ठहराईस; अऊ जऊन चीज ह बगिर
काम के अऊ जुनना हो जाथे, ओह जल्दी
लोप हो जाही।

धरती के तम्बू म अराधना

9 पहिली करार म, अराधना के नयिम
रहिसि अऊ अराधना के एक पबतिर
जगह घोले रहिसि, जऊन ह ए धरती म
रहिसि। 2 एक तम्बू बनाय गीस। एकर पहिली
कमरा म दीया, मेज अऊ परमेसर ला चघाय
गे रोटी रहय; एला पबतिर जगह कहे जावय।
3 दूसरा परदा के पाछू एक ठन कमरा रहय,
जऊन ला परम पबतिर जगह कहे जावय,
4 ओम धूप जलाय बर सोना के बेदी अऊ
सोना ले मढ़े गय करार के संदूक रहय। ए
संदूक म मनुना ले भरे सोना के कटोरा, हारून
के लउठी, जऊन म पीका आ गे रहय अऊ
पथरा के पटयामन रहंय अऊ ए पटयामन
म दस हुकूम लिखाय रहय। 5 संदूक के ऊपर
म महिमा के करुबमन (स्वरगदूतमन सहीं
महिमामय जीव) रहंय, जेमन पछताप के
जगह ला छइहां करे रहंय। पर हमन अभी
ए जम्मो बातमन के चरचा नई कर सकन।

6 ए किसिम ले हर एक चीजमन ला रखे गे
रहिसि। पुरोहितमन बाहरि के कमरा म जावंय
अऊ अपन सेवा ला करंय। 7 पर सरिपि महा
पुरोहित ह भीतर के कमरा म जावय अऊ ओ
घलो साल म सरिपि एक बार खून लेके उहां

जावय अऊ ओ खून ला, ओह खुद के अऊ
मनखेमन के ओ पाप के खातिर परमेसर ला
चघायव, जऊन ला ओमन बगिर जाने करे
रहंय। 8 एकर दुवारा पबतिर आतमा ह ए
बतावत रहिसि कि जब तक पहिली तम्बू ह
खड़े रहिसि, तब तक परम पबतिर जगह के
रसता ह नई खोले गे रहिसि। 9 एह आज के
समय बर एक नमूना ए, जऊन ह ए बताथे कि
जऊन भेंट अऊ बलदान मन चघाय जावत
रहिनि, ओमन अराधना करइयामन के मन
ला साफ नई कर सकंय। 10 ओमन सरिपि
खाय-पीये के चीज अऊ नाना किसिम के
सुध होय के रीत-रिवाज अंय। एमन बाहरी
नयिम अंय, जऊन ह नवां हुकूम के आवत
तक लागू रहथि।

मसीह के लहू

11 जब मसीह ह बने चीजमन के महा
पुरोहित के रूप म आईस, जऊन मन पहिली
ले इहां हवंय, त ओह अऊ बड़े अऊ जादा
सद्धि तम्बू म ले होके गीस, जऊन ह
मनखे के बनाय नो हय, याने कि ओ तम्बू
ह ए संसार के नो हय। 12 ओह सबले पबतिर
जगह म बोकरा अऊ बछवा मन के लहू
के संग नई गीस, पर ओह उहां जम्मो के
सेती एकेच बार अपन खुद के लहू के दूबारा
गीस अऊ हमर बर सदाकाल के छुटकारा
लानसि। 13 बोकरा अऊ बड़ला मन के लहू
अऊ जरे बछवा के राख ला, ओमन के ऊपर
छचि जाथे, जऊन मन रिवाज के मुताबकि
असुध रहथि। एह ओमन ला पबतिर करथे
अऊ ओमन बाहरी रूप ले सुध हो जाथें।
14 तब मसीह, जऊन ह नरिदोस रहिसि,
सदाकाल के आतमा के जरथि अपन-आप
ला परमेसर ला भेंट चघा दीस। ओकर लहू
ह हमर बविक ला बेकार के काममन ले सुध
करथे, ताकि हमन जीयत परमेसर के सेवा
कर सकन।

15 एकरे खातिर मसीह ह एक नवां करार
के मध्यस्थ ए, ताकि जऊन मन बलाय गे
हवंय, ओमन ओ सदाकाल के वारिस बन
जावंय, जेकर वायदा परमेसर ह करे हवय।

अब मसीह अपन मरितू के दुवारा एक छुड़ौती के कीमत दीस, ताका ओह ओमन ला छोड़ाय सकय, जऊन मन पहिली करार के समय पाप करे रहिन।

16जब कोनो वसीयत लिखिथे अऊ मर जाथे, तब ओकर वारसि बर एह जरूरी ए कि ओह वसीयत करइया के मरितू ला साबति करय। 17काबरकि वसीयत ह तभे लागू होथे, जब वसीयत करइया ह मर जाथे। जब तक कि ओह जीयत हवय, तब तक वसीयत के कोनो मतलब नई रहय। 18एकरे कारन, पहिली करार ह लहू के दुवारा लागू करे गे रहिसि। 19जब मूसा ह जम्मो मनखेमन ला कानून म बताय जम्मो हुकूम ला पढ़के सुना चुकसि, तब ओह पानी के संग बछवामन के लहू, लाल ऊन अऊ जूफा के डारा लीस अऊ ए चीजमन ला कानून के किताब अऊ जम्मो मनखेमन ऊपर छर्चिसि, 20अऊ ओह कहसि, “एह ओ करार के लहू ए, जऊन ला पालन करे के हुकूम, परमेसर ह तुमन ला देय हवय।” 21एहीच कसिम ले, मूसा ह तम्बू अऊ अराधना के जम्मो चीज ऊपर लहू छर्चिसि। 22वास्तव म, मूसा के कानून के मुताबकि लगभग हर एक चीज लहू के दुवारा सुध करे जाथे अऊ बगिर लहू बोहाय पाप के छेमा नई होवय।

मसीह के बलदानि ह पाप ला दूरहि करथे

23एह जरूरी रहिसि कि स्वरगीय चीजमन के नकल ह ए बलदानिमन के दुवारा सुध करे जावय, पर स्वरग के चीजमन खुद एकर ले अऊ बने बलदानि के दुवारा सुध करे जाथे। 24काबरकि मसीह ह मनखे के बनाय ओ पबतिर जगह म नई गीस, जऊन ह सही के पबतिर जगह के नमूना रहिसि, पर ओह स्वरग म गीस कि अब हमर बर, ओह परमेसर के आधू म परगट होवय। 25मसीह ह स्वरग म अपन-आप ला बार-बार भेंट चघाय बर नई गीस, जइसने महा पुरोहित ह हर साल परम पबतिर जगह म आने के लहू लेके जाथे, 26नई तो जब ले संसार ह रचे गे हवय, तब ले अब तक, मसीह ला कतको

बार दुःख उठाना पड़तसि। पर अब ओह ए जुग के आखिरी म, जम्मो के सेती एकेच बार परगट होईस, ताका अपन खुद के बलदानि के दुवारा पाप ला दूर करय। 27जइसने मनखे के एक बार मरई अऊ ओकर बाद ओकर नियाय होवई तय हवय, 28ओहीच कसिम ले, मसीह घलो अपन-आप ला एक बार बलदानि कर दीस कि ओह बहुते मनखे के पाप ला दूर करय। अऊ ओह दूसर बार परगट होही, पर पाप के भार उठाय बर नई, पर ओमन के उद्धार करे बर, जऊन मन ओकर बाट जोहत हवय।

मसीह के बलदानि जम्मो के सेती एकेच बार

10 मूसा के कानून ह अवइया बने चीजमन के सरिपि एक छइहां ए। एमन अपन-आप म सही के चीज नो हंय। कानून के मुताबकि, एकेच कसिम के बलदानि नयिमति रूप ले हर साल चघाय जाथे, अऊ एह ओमन ला कभू सिद्धि नई कर सकय, जऊन मन अराधना करे बर आथे। 2यदि ए बलदानिमन के दुवारा मनखेमन सिद्धि हो जातनि, त ओमन के बलदानि चघई बंद हो जातसि। काबरकि अराधना करइयामन जम्मो के सेती एकेच बार म सुध हो जातनि अऊ ओमन अपन पाप के दोसी नई होतनि। 3पर ओ बलदानिमन हर साल ओमन के पाप के सुरता कराथे। 4काबरकि बइला अऊ बोकरा मन के लहू ह पाप ला कभू दूरहि नई कर सकय।

5एकरसेती, जब मसीह ह संसार म आईस त ओह कहसि:

“बलदानि अऊ भेंट तेंह नई चाहय,

पर तेंह एक ठन देहें, मोर बर तयार करय।

6तेंह होम-बर्ला अऊ पाप-बर्ला चघाय ले खुस नई होवय।

7तब मेंह कहेंव, ‘मेंह इहां हंव—जइसने पबतिर बचन म मोर बारे म लिखे हवय-

हे परमेसर, मेंह तोर ईछा ला पूरा करे
बर आय हवंव।”

8पहिली मसीह ह कहसि, “न तो तेंह बलदान अऊ भेंट, होम-बलि अऊ पाप-बलि ला चाहय, अऊ न ही ओमन ले खुस होवय” (हालाकिए जम्मो बलदान, मूसा के कानून के मुताबकि चघाय जाथे)। 9तब ओह कहसि, “मेंह इहां हंव, मेंह तोर ईछा ला पूरा करे बर आय हवंव।” ओह पहिली के बात ला छोड़ देथे ताका दूसर बात ला स्थापति करय। 10अऊ ओहीच ईछा के दुवारा हमन यीसू मसीह के देह के बलदान के जरयि पबतिर करे गे हवन अऊ ए बलदान ह जम्मो के सेती एकेच बार करे गीस।

11हर एक पुरोहित ह दिन प्रतदिन ठाढ़ होके अपन धारमकि सेवा ला करथे। ओह बार-बार ओहीच बलदान ला चघाथे, जऊन ह पाप ला कभू दूरहि नई कर सकय। 12पर मसीह ह पाप के खातिर एकेच बलदान सदाकाल के सेती चघाईस अऊ ओह परमेसर के जेवनी हांथ अंग जा बईठसि। 13ओहीच बेरा ले, ओह इंतजार करथे कि परमेसर ह ओकर बईरीमन ला ओकर गोड़ रखे के चौकी बना देवय, 14काबरका एकेच बलदान के दुवारा, ओह ओमन ला सदाकाल बर सिद्धि कर दे हवय, जऊन मन पाप ले पबतिर करे गे हवंव।

15पबतिर आतमा घलो हमन ला एकर बारे म गवाही देथे। पहिली ओह कहथि:

16“परभू ह कहथि

कि जऊन करार मेंह ओ समय के बाद
ओमन ले करहूं,
ओह ए अय—मेंह अपन कानून ला
ओमन के हरिदय म धरहूं
अऊ मेंह ओमन ला ओमन के मन म
लिखहूं।”

17तब ओह ए घलो कहथि:

“ओमन के पाप अऊ अधरम के काम ला
मेंह फेर कभू सुरता नई करहूं।”

18अऊ जब एकर छेमा हो गे हवय, त फेर

पाप खातिर अऊ कोनो बलदान के जरूरत
नई ए।

बसिवास म बने रहव

19हे भाईमन हो, जब हमन ला भरोसा हवय कि यीसू के लहू के दुवारा हमन परम पबतिर जगह म जाबो, 20ओह हमर बर एक नवां अऊ जीयत रसता खोलसि, जऊन ह ओ परदा म ले होके जाथे, जऊन ह ओकर देहें अयद, 21अऊ जब हमर करा एक बड़े पुरोहित हवय, जेकर ऊपर परमेसर के घर के जमिमा हवय, 22त आवव, हमन परमेसर के लकठा म साफ हरिदय अऊ पूरा बसिवास के संग जावन। एक अइसने हरिदय, जऊन म पाप भावना नई ए अऊ अइसने देहें, जऊन ह सुध पानी म धोय गे हवय। 23आवव, हमन ओ आसा ला मजबूती ले धरे रहन, जऊन ला हमन स्वीकार करथन, काबरका जऊन ह वायदा करे हवय, ओह बसिवास लइक अय। 24अऊ आवव, हमन ए बचिार करन कि अइसने हमन एक-दूसर ला मया म अऊ बने काम म उत्साहित कर सकथन। 25आवव, हमन एक-दूसर के संग मिले बर नई छोड़न, जइसने कि कुछू झन के ए आदत बन गे हवय, पर आवव, हमन एक-दूसर ला अऊ जादा उत्साहित करन, जइसने कि तुमन देखत हवव कि परभू के दिन ह लकठा आवत हवय।

26सत के गियान ला पाय के बाद, कहूं हमन जान-बूझ के पाप करते रहथिन, त फेर कोनो घलो बलदान हमर पाप ला दूरहि नई कर सकय, 27पर सरिपि नियाय के एक भयानक बाट जोहई अऊ भयंकर आगी ह बांचही, जऊन ह परमेसर के बईरीमन ला जलाके भसम कर दिही। 28जऊन कोनो मूसा के कानून ला नई मानसि, ओह बगिर दया के दू या तीन मनखे के गवाही ले मारे गीस। 29त तुमन सोचव कि ओ मनखे ह कतेक कठोर सजा के भागी ए, जऊन ह परमेसर के बेटा के इनकार करे हवय अऊ करार के ओ लहू ला तुछ जाने हवय, जेकर दुवारा ओह पबतिर करे गे रहिसि, अऊ अनुग्रह के आतमा के

बेजत्ती करे हवय। 30काबरका हमन ओला जानथन, जऊन ह ए कहसि, “बदला लेवई मोर काम ए; मेंह बदला लूहूँ” अऊ ओह फेर ए कहसि, “परभू ह अपन मनखेमन के नियाय करही।” 31जीयत परमेसर के हाथ म पड़ई बहुंत भयानक बात ए।

32सुरू के ओ दिनमन ला सुरता करव, परमेसर के अंजोर ला पाय के बाद, जब तुमन कतको दुःख सहत घलो सुथरि रहेव। 33कभू तुम्हर खुले आम बेजत्ती करे गीस अऊ तुमन ला सताय गीस, त कभू तुमन हर कसिम ले ओमन के मदद करेव, जऊन मन के संग ए कसिम के गलत बरताव करे जावत रहिसि। 34तुमन कैदीमन बर सहानुभूतिरखेव अऊ जब तुम्हर धन-संपत्ती ला लूटे गीस, त तुमन एला आनंद के संग स्वीकार करेव, काबरका तुमन जानत रहेव कि तुम्हर करा एकर ले घलो उत्तम अऊ सदा बने रहइया संपत्ती हवय।

35एकरसेती अपन भरोसा ला झन छोड़व, काबरका तुमन ला एकर एक बड़े इनाम मलिही। 36तुमन ला धीरज धरई जरूरी ए, ताकि जब तुमन परमेसर के ईछा ला पूरा कर लेवव, त तुमन ला ओ इनाम मलिय, जेकर वायदा परमेसर ह तुम्हर ले करे हवय। 37काबरका परमेसर के बचन ह कहथि,

“अब बहुते कम समय बचे हवय;
जऊन ह अवइया हवय,
ओह आही अऊ ओह देरी नई करय।

38पर मोर धरमी जन ह बसिवास के दुवारा जीयत रहिही।

अऊ कहूँ ओह पाछू हटथे,
त मेंह ओकर ले खुस नई होवंव।”

39पर हमन ओ मनखे नो हन, जऊन मन पाछू हट जाथें अऊ नास हो जाथें, पर हमन ओ मनखे अन, जऊन मन बसिवास करथें अऊ बचाय जाथें।

बसिवास

11 बसिवास करे के मतलब ए अय कि ओ बात ह नसिचय होही, जेकर आसा हमन करथन अऊ बसिवास करे

के मतलब ओ बात के नसिचयता घलो अय, जऊन ला हमन नई देखन। 2बसिवास के कारन ही पुराना जमाना के मनखेमन परमेसर के नजर म सही ठहरनि।

3बसिवास के दुवारा, हमन जानथन कि जम्मो संसार ह परमेसर के हुकूम ले सरिजे गीस, अऊ जऊन चीज ह दखिथे, ओह दखित चीज ले बनाय नई गीस।

4बसिवास के दुवारा, हाबिल ह कैन ले उत्तम बलदान परमेसर ला चघाईस। बसिवास के दुवारा, हाबिल ह एक धरमी मनखे समझे गीस, काबरका परमेसर ह ओकर भेंट के बारे म बने बात कहसि। अऊ बसिवास के दुवारा, ओह अभी घलो गोठियाथे, हालांकि ओह मर गे हवय।

5बसिवास के दुवारा, हनोक ह उठा लयि गीस, अऊ ओला मरितू के अनुभव नई होईस। ओह फेर कोनो ला नई दखिसि, काबरका परमेसर ह ओला उठा ले रहिसि। हनोक के उठाय जाय के पहिली, ओकर बारे म, ए कहे गे रहिसि कि ओह परमेसर ला खुस करिसि। 6बगिर बसिवास के परमेसर ला खुस कई असंभव ए, काबरका जऊन ह परमेसर करा आथे, ओला ए बसिवास करना जरूरी ए कि परमेसर हवय अऊ ओह ओमन ला इनाम देथे, जऊन मन सही मन ले ओला खोजथें।

7जब परमेसर ह नूह ला ओ बातमन के बारे म चेतउनी दीस, जऊन मन ओ समय नई दखित रहनि, त बसिवास के दुवारा, परमेसर के पबतिर भय म, नूह ह अपन परिवार ला बचाय बर पानी जहाज बनाईस। अपन बसिवास के दुवारा, ओह संसार ला दोसी ठहराईस अऊ ओ धरमीपन के वारिस बन गीस, जऊन ह बसिवास के दुवारा होथे।

8जब परमेसर ह अब्राहम ला एक ठन जगह ला जाय बर कहसि, जऊन ला ओह बाद म वारिस के रूप म पवइया रहिसि, त बसिवास के दुवारा, अब्राहम ह परमेसर के बात ला मानसि अऊ चल दीस, हालांकि ओला ए बात मालूम नई रहिसि कि ओह कहाँ जावत रहिसि। 9बसिवास के दुवारा,

ओह परतगियां के भुइयां म अपन घर बनाईस अऊ एक अजनबी के सही, ओह एक आने देस म रहिसि। ओह तम्बूनन म रहय अऊ वइसने इसहाक अऊ याकूब घलो करनि, जऊन मन अब्राहम के संग ओहीच परतगियां के वारिस रहिनि। 10काबरकी अब्राहम ह ओ सहर के बाट जोहत रहिसि, जेकर नीव हवय अऊ जेकर नकसा बनइया अऊ गढ़इया परमेसर ए।

11हालाकी अब्राहम डोकरा हो गे रहिसि अऊ सारा ह खुद बांझ रहिसि, पर बसिवास के दुवारा, अब्राहम ह ददा बनसि काबरकी ओह परमेसर ऊपर बसिवास करसि, जऊन ह ओकर ले वायदा करे रहिसि। 12अऊ ए कसिम ले, ए एक झन ले, जऊन ह मुरदा सही रहिसि, अतेक संतान होईन की ओमन अकास के तारामन अऊ समुंदर तीर के बालू सही अनगनित हो गीन।

13ए जम्मो मनखे बसिवास म रहत मर गीन। ओमन ओ चीजमन ला नई पाईन, जेकर वायदा परमेसर ह ओमन ले करे रहिसि, पर ओमन ओ चीजमन ला सरिपि देखनि अऊ दूरहा ले ओमन के सुवागत करनि। अऊ ओमन ए बात ला मान लीन की ओमन ए धरती म परदेसी अऊ अजनबी रहिनि। 14जऊन मनखेमन अइसने बात कहथिं, ओमन ए परगट करथें की ओमन अपन खुद के एक देस के खोज म हवय। 15यदी ओमन ओ देस के बारे म सोचे होतनि, जऊन ला छोड़के ओमन आ गे रहिनि, त ओमन करा वापसि जाय के मऊका रहिसि। 16पर ओमन एक उत्तम देस, याने की स्वरगीय देस के खोज म रहिनि। एकरसेती परमेसर ह नई लजावय, जब ओमन ओला अपन परमेसर कहथिं काबरकी ओह ओमन बर एक सहर तयार करे हवय।

17जब परमेसर ह अब्राहम ला परखसि, त बसिवास के दुवारा, अब्राहम ह इसहाक ला बलदान के रूप म चघाईस। अब्राहम ह ओ मनखे रहिसि, जेकर ले परमेसर ह परतगियां करे रहिसि, पर ओह अपन एकलऊता बेटा (इसहाक) ला बलदान चघाय बर तयार

रहिसि, 18हालाकी परमेसर ह ओला ए कहे रहिसि, “इसहाक के जरयि तोर बंस चलही।” 19अब्राहम ह बसिवास करसि की परमेसर ह मरे मनखे ला जीयाय सकथे। हमन ए कह सकथन की अब्राहम ह इसहाक ला मरितू म ले फेर पा गीस।

20बसिवास के दुवारा, इसहाक ह याकूब अऊ एसाव ला ओमन के भवसिय बर आससि दीस।

21बसिवास के दुवारा, याकूब ह अपन मरत समय यूसुफ के दूनों बेटा ला आससि दीस, अऊ अपन लउठी के मुठ के ऊपर नहिरके परमेसर के अराधना करसि।

22जब यूसुफ ह मरइया रहिसि, त बसिवास ही के दुवारा, ओह इसरायलीमन के बारे म कहसि की ओमन मसिर देस के गुलामी से नकिर जाहीं अऊ ए हुकूम घलो दीस की ओकर मरे के बाद, ओकर हाड़ामन के का करे जावय।

23जब मूसा ह जनमसि, त बसिवास के दुवारा, ओकर दाई-ददा ओला तीन महिना तक छुपाय रखनि, काबरकी ओमन देखनि की लइका ह सुघर हवय अऊ ओमन राजा के हुकूम ले नई डर्राईने।

24जब मूसा ह बड़े हो गीस, त बसिवास के दुवारा ही, ओह फरीन राजा के बेटी के बेटा कहाय बर इनकार करसि। 25थोरकन दिन पाप के सुख भोगे के बदले, ओह परमेसर के मनखेमन संग दुःख भोगई ला बने समझसि। 26मूसा ह मसीह के हति म कलंकित होवई ला बड़े धन समझसि, एकर बनसिपत की मसिर देस के खजाना के उपयोग करई, काबरकी ओह अवइया समय म अपन इनाम के बाट जोहत रहिसि। 27बसिवास ही के दुवारा, ओह राजा के कोरोध के चिता नई करसि अऊ मसिर देस ला छोड़ दीस। ओह बसिवास म बने रहिसि, काबरकी ओह ओ परमेसर ला देखसि, जऊन ह नई दखिय। 28बसिवास ही के दुवारा, ओह फसह तहिर ला मानसि अऊ कपाटमन म लहू छचि के हुकूम दीस ताकी मरितू के दूत

ह इसरायलीमन के पहलिांत बेटामन ला इन मार डारय।

29बसिवास के दुवारा ही, इसरायली मनखेमन लाल समुंदर म ले अइसने पार होगनि, जइसने काँसूखा भुइयां म पार होथें; पर जब मसिर देस के मनखेमन पार होय के कोससि करनि, त ओ जम्मो इन बुड़ मरनि।

30बसिवास ही के दुवारा, जब इसरायलीमन सात दिन तक यरीहो के दवाल के चक्कर लगाईन, त ओ दवाल ह गरि गीस।

31बसिवास ही के कारन, राहाब नांव के बेसूया ह ओमन के संग मारे नई गीस, जऊन मन परमेसर के हुकूम नई माननि। ओह भेदयामन ला छुपाय रखसि।

32मेह अऊ का कहंव? गदिन, बाराक, समसून, यफितह, दाऊद, सामुएल अऊ अगमजानीमन के बारे म बताय बर, मोर करा समय नई ए। 33बसिवास ही के दुवारा, ओमन देसमन ला जीतनि, नियाय के मुताबकि काम करनि अऊ ओ चीज ला पाईन, जेकर वायदा परमेसर ह करे रहिसि। ओमन सहिमन के मुहूँ ला बंद कर दीन, 34धधकत आगी ला बुथा दीन, अऊ तलवार के मार ले बच नकिरनि। ओमन के कमजोरी ह ताकत म बदल गीस। ओमन लड़ई म बीरता देखाईन अऊ बदिसी सेनामन ला मार भगाईन। 35माईलोगनमन अपन मरे लोगनमन ला फेर जीयत पा गीन। अनेक बसिवासीमन अब्बड़ दुःख अऊ पीरा सहनि, पर ओमन एकर ले छुटे बर नई चाहनि, ताकाँ ओमन ला जी उठे के बाद एक उत्तम जनिगी मिलिय। 36कुछू बसिवासीमन के ठट्ठा करे गीस अऊ ओमन ला कोर्रा म मारे गीस, जबकि कतको इन ला संकली म बांधके जेल म डार दयि गीस। 37ओमन ला पत्थरवाह करे गीस; ओमन के देहें ला आरी म चीरके दू भाग कर दयि गीस; ओमन तलवार ले मार डारे गीन। ओमन मेढ़ा अऊ बोकरा के चाम के कपड़ा पहिरि एती-ओती मारे-मारे फरिनि; ओमन खंगी म रहिनि अऊ सताय गीन अऊ ओमन के संग गलत बरताव करे गीस। 38संसार ह ओमन के लइक नई

रहिसि। ओमन उजाड़ जगह अऊ पहाड़ अऊ भुइयां के खोह अऊ बलि मन म भटकत फरिनि।

39ए जम्मो इन अपन बसिवास के कारन परसंसा पाईन, पर ओम ले कोनो ला ओ चीज नई मलिसि, जेकर वायदा परमेसर ह करे रहिसि। 40परमेसर ह हमर खातरि अऊ उत्तम योजना बनाय रहिसि, ताकाँ ओमन हमर संग ही एक साथ सिद्ध बनाय जावय।

परमेसर अपन संतान के ताड़ना करथे

12 एकरसेति, जब हमर चारों कोर्ता अइसने बहुते गवाह हवय, त आवव, हमन हर ओ बाधा देवइया चीज अऊ फंसा लेवइया पाप ले दूरिहा रहन अऊ ओ दऊड़ ला मन लगाके दऊड़न, जऊन ह हमर आघू म रखे हवय। 2आवव, हमन यीसू कोर्ता अपन ध्यान लगाय रखन, जऊन ह सुरू ले लेके आखीरी तक हमर बसिवास के आधार ए अऊ जऊन ह अपन आघू म रखे आनंद खातरि कुरुस के मरितू ला सहिसि। ओह एकर दुवारा बेजत्ती होय के चंति नई करसि अऊ परमेसर के सिधासन के जेवनी हांथ कोर्ता बईठ गीस। 3एकरसेति, यीसू ऊपर अपन मन लगावव, जऊन ह पापी मनखेमन ले अइसने बरिोध सहिसि, ताकाँ तुमन नरिस इन होवव अऊ हमिमत इन हारव।

4पाप के बरिद्ध लड़ई म, तुमन अभी तक ओ जगह म नई आय हवव, जहिाँ तुमन ला अपन खून बहाना पड़े हवय। 5अऊ तुमन उत्साह के ओ बचन ला भुला गे हवव, जऊन म परमेसर ह तुमन ला बेटा सहीं कहथि:

“हे मोर बेटा, परभू के ताड़ना ला हल्का इन समझ,

अऊ जब ओह तोला दबकारथे, त हमिमत इन हार,

6काबरकिपरभू ह ओमन के ताड़ना करथे, जऊन मन ला ओह मया करथे,

अऊ ओह हर ओ मनखे ला दंड देथे, जऊन ला ओह बेटा बना लेथे।”

7दुःख-तकलीफ ला ताड़ना समझके सह लेवव; परमेसर ह तुमन ला अपन बेटा जानके तुम्हर संग बरताव करत हवय। काबरकी का अइसने कोनो बेटा हवय, जेकर ताड़ना ओकर ददा ह नई करय? 8हर एक झन के ताड़ना होथे, पर कहूं तुम्हर ताड़ना नई होईस, त तुमन नजायज संतान अव, अऊ सही के बेटा नो हव। 9हमन के हर एक के सारीरकि ददा हवय, जऊन मन हमर ताड़ना करथें अऊ हमन एकर खातिर ओमन के आदर करथन। तब हमन ला हमर आत्मा के ददा के अधीन, अऊ जादा रहना चाही ताकी हमन जीयत रहन। 10हमर ददामन थोरकन समय बर हमर ताड़ना करथें, जइसने ओमन उचित समझथें; पर परमेसर ह हमर भलाई बर ताड़ना करथे ताकी हमन ओकर पबतिरता म भागीदार होवन। 11ओतकीच बेरा, कोनो घलो किसिम के ताड़ना बने नई लगय, पर पीरा देथे। पर बाद म, एह ओमन के जनिगी म धरमीपन अऊ सांती के फर लाथे, जऊन मन ए ताड़ना म ले होके गुजर चुके होथें।

12एकरसेति, अपन कमजोर हांथ अऊ कमजोर माड़ी मन ला मजबूत करव। 13अपन गोड़ खातिर डहारमन ला समतल करव, ताकी खोरवा ह अपंग झन होवय, पर ओह चंगा हो जावय।

ओमन के बरिध म चेतउनी, जऊन मन परमेसर ला इनकार करथें

14जम्मो मनखेमन संग सांती ले रहे के पूरा कोससि करव अऊ पबतिर बने बर घलो पूरा कोससि करव, काबरकी बिगिर पबतिरता के, कोनो परभू ला नई देख सकय। 15एकर ध्यान रखव की हर एक झन ला परमेसर के अनुग्रह मलिय अऊ ओमन म कोनो किसिम के कड़वाहट झन पनपे, जऊन ह समस्या खड़े करथे अऊ बहुते झन ला असुध करथे। 16एकर घलो ध्यान रखव की कोनो छिनारी झन करय या एसाव के सहीं भक्तिहीन झन होवय, जऊन ह एक बखत के भोजन खातिर अपन पहिलांत के अधिकार ला बेंच दीस। 17जइसने की तुमन जानत हव, बाद म, जब

ओह ए आससि ला पाय चाहसि, त ओला नई मलिसि। हालाकी ओह रो-रोके ओ आससि ला पाय के कोससि करसि, पर ओकर करा अपन ददा के मन ला बदले के अऊ कोनो आने उपाय नई रहसि।

18तुमन अब तक ओ जगह म नई आय हवव अऊ अनुभव नई करे हवव जइसने इसरायलीमन सीनै पहाड़ म अनुभव करे रहिनि, जहिं आगी बरत रहिसि; अंधियार, धुंधलापन अऊ आंधी-तूफान रहिसि; 19अऊ जहिं तुरही के अवाज अऊ एक झन के अइसने गोठियाय के अवाज आवत रहिसि, जऊन ला सुनके मनखेमन बनिती करे लगनि की ओमन ले अऊ कोनो बात झन कहे जावय 20काबरकी ओमन ओ हुकूम ले घबरा गीन, जेम ए कहे गे रहिसि, “अऊ त अऊ कहूं कोनो पसु घलो पहाड़ ला छुवय, त ओला पत्थरवाह करके मार डारे जावय।” 21ओ दरसन ह अइसने भयानक रहिसि की मूसा ह कहसि, “मेंह डर के मारे कांपत हवंव।”

22पर तुमन सयोन पहाड़, जीयत परमेसर के सहर, स्वरगीय यरूसलेम करा आ गे हवव। तुमन हजारों-हजार स्वरगदूतमन के संग आनंद के सभा, 23अऊ पहिलांतमन के कलीसिया म आय हवव, जेमन के नांव स्वरग म लिखे गे हवय। तुमन परमेसर करा आय हवव, जऊन ह जम्मो मनखेमन के नियाय करथे, अऊ तुमन ओ धरमीमन के आतमामन करा आ गे हवव, जऊन मन सिद्ध बनाय गे हवय। 24तुमन यीसू करा आ गे हवव, जऊन ह एक नवां करार के मध्यस्थ ए अऊ तुमन ओ छड़िकाय लहू करा आ गे हवव, जऊन ह हाबिल के लहू ले घलो अऊ उत्तम बात कहथि।

25ए बात ला ध्यान देवव की जऊन ह गोठियाथे, ओकर बात ला सुनव। काबरकी ओ मनखेमन बच नई सकनि, जऊन मन ओकर बात ला नई सुनि, जऊन ह धरती म ओमन ला चेतउनी देवत रहिसि, त फेर हमन कइसने बच सकबो, कहूं हमन ओकर बात ला नई सुनन, जऊन ह हमन ला स्वरग ले चेतउनी देथे? 26ओ समय ओकर अवाज ह

धरती ला कंपा दीस, पर अब ओह ए वायदा करे हवय, “एक बार फेर, मेंह सरिपि धरती ला ही नई, पर अकासमन ला घलो हलाहूं।” 27ए सबद “एक बार फेर” ए बात ला बताथे कि जऊन चीजमन हलाय जा सकथें, ओमन ला हटाय जाही, काबरकी एमन सरिजे गय चीज अंय, ताका जऊन चीजमन हलाय नई जा सकय, ओमन अटल बने रहय।

28एकरसेती, जब हमन ला एक अइसने राज मलित हवय, जऊन ला हलाय नई जा सकय; त आवव, हमन धनबाद देवन, अऊ आदर अऊ भय के संग परमेसर के अइसने अराधना करन, जेकर ले ओह खुस होवय, 29काबरकी हमर परमेसर ह एक भसम करइया आगी अय।

आखरी प्रोत्साहन

13 भाईमन सहीं एक-दूसर ले मया करते रहव। 2अनजान मनखेमन के आव-भगत करे बर झन भूलव, काबरकी अइसने करे के दुवारा कुछ मनखेमन अनजाने म स्वरगदूतमन के आव-भगत करे हवय। 3जऊन मन जेल म हवय, ओमन के खयाल रखव, ए सोचके कि मानो तुमन घलो ओमन संग कैद म हवव, अऊ जऊन मन के संग गलत बरताव करे जाथे, ओमन के घलो खयाल रखव, ए सोचके कि मानो तुमन खुद दुःख उठावत हवव।

4बहिाव ह जम्मो मनखे म आदर के बात समझे जावय। घरवाला अऊ घरवाली एक-दूसर के छोड़ अऊ काकरो संग गलत संबंध झन रखय, काबरकी परमेसर ह ओ जम्मो झन के नयाय करही, जऊन मन बेभचिारी अंय अऊ आने के संग गलत संबंध रखथें। 5तुमन अपन-आप ला रूपिया-पईसा के मोह-मया ले दूर रखव अऊ जऊन कुछ तुम्हर करा हवय, ओम संतोस रहव, काबरकी परमेसर ह कहे हवय,

“मेंह तोला कभू नई छोड़व;
मेंह तोला कभू नई तयिगंव।”

6एकरसेती हमन बेधड़क कहथिन,

“परभू ह मोर सहायक ए; मेंह नई डरंव।
मनखे ह मोर का कर सकथे?”

7अपन ओ अगुवामन के खयाल रखव, जऊन मन तुमन ला परमेसर के बचन सुनाईन। ओमन के जनिगी के जम्मो बने बात के बारे म सोचव अऊ ओमन के बसिवास के नकल करव। 8यीसू मसीह ह कल, आज अऊ सदाकाल बर उसनेच ए।

9नाना किसिम के अनजान उपदेस के दुवारा धोखा झन खावव। एह बने अय कि हमर हरिदय ह परमेसर के अनुग्रह ले मजबूत होवय, न कि ओ रीति-रिवाज के भोजन ले, जऊन ला खाय ले कोनो फायदा नई होवय। 10हमर एक बेदी हवय, जहिं ले पुरोहितमन तम्बू म सेवा करथें, पर ओमन ला बेदी म चघाय चीज ला खाय के अधिकार नई ए।

11महा पुरोहित ह पसुमन के लहू ला पाप बली के रूप म परम पबतिर जगह म ले जाथे, पर ओमन के देह ह पड़ाव के बाहिर म जलाय जाथे। 12एकर खातिर, यीसू घलो सहर के कपाट के बाहिर दुःख भोगसि, ताका ओह अपन खुद के लहू ले अपन मनखेमन ला पबतिर करय। 13त आवव, हमन पड़ाव के बाहिर ओकर करा चलन अऊ ओ कलंक म भागी होवन जऊन ला ओह सहसि। 14काबरकी इहां, हमर कोनो स्थायी सहर नई ए, पर हमन ओ सहर के बाट जोहथिन, जऊन ह अवइया हवय।

15एकरसेती आवव, हमन यीसू के जरयि परमेसर ला लगातार इस्तुती के बलिदान चघावन अऊ ए बलिदान ह हमर मुहू के ओ बचन ए, जऊन ह ओकर नांव ला मानथे। 16अऊ भलाई करे बर अऊ आने मन के मदद करे बर झन भूलव, काबरकी अइसने बलिदान परमेसर ला भाथे।

17अपन अगुवामन के बात मानव अऊ ओमन के अधीन म रहव। ओमन तुम्हर खयाल ओ मनखेमन सहीं रखथें, जऊन मन ला अपन काम के लेखा देना जरूरी ए। ओमन के बात मानव, ताका ओमन के काम ह एक बोझा सही नई, पर एक आनंद के

बात होवय, नइं तो ओह तुम्हर कुछू फायदा के नइं होही।

18हमर बर पराथना करव। हमन ला भरोसा हवय कि हमर बविक ह साफ हवय अऊ हमन हर किसिम ले, सही काम ला करे चाहथन। 19मेंह तुमन ले खास करके बनिती करत हवंव कि तुमन पराथना करव, ताकि मेंह तुम्हर करा जल्दी वापसि आ सकंव।

20सदाकाल के करार के लहू के जरयि, सांति के परमेसर ह हमर परभू यीसू ला मरे म ले जियाईस, जऊन ह भेड़मन के महान चरवाहा ए। 21सांति के ओ परमेसर ह तुम्हर जनिगी ला जम्मो बने चीजमन ले भर देवय, ताकि तुमन ओकर ईछा ला पूरा करव अऊ जऊन बात ओला बने लगथे, ओह ओ बात ला यीसू मसीह के जरयि हमर जनिगी म पूरा करय। यीसू मसीह के महिमा सदाकाल तक होवत रहय। आमीन।

22हे भाईमन हो, मेंह तुम्हर ले बनिती करत हंव कि उत्साह के मोर ए बचन ला धीर धरके सुनव, काबरकिए चिट्ठी म मेंह जादा नइं लिखे हवंव।

23मेंह तुमन ला बताय चाहथंव कि हमर भाई तीमुथियुस ह जेल ले छूट गे हवय। यदि

ओह इहां जल्दी आथे, त मेंह ओकर संग तुम्हर ले भेंट-घाट करे बर आहूं।

24अपन जम्मो अगुवा अऊ परमेसर के जम्मो मनखेमन ला हमर जोहार कहव। इटली देस के मनखेमन तुमन ला जोहार कहथें।

25तुमन जम्मो इन ऊपर परमेसर के अनुग्रह होवत रहय।

a 9 तेल ले अभसिक करे के मतलब बड़े आदर खातिर चुनना ए। b 6 इहां “मनखे के बेटा” के मतलब घलो “मनखे” हो सकथे। c 18 इहां “ओकर बसिराम” के मतलब ए ओ जगह, जऊन ला परमेसर ह इसरायलीमन ला देय के वायदा करे रहिसि। d 20 “परदा”—महा पुरोहित ह परदा म ले होके सबले पबतिर जगह म जावय, अऊ अपन अऊ मनखेमन के पाप बर बलदान चघावय। जब यीसू ह कुरुस ऊपर मरसि त परदा ह चीराके दू भाग हो गीस। e 23 राजा ह हुकूम देय रहिसि कि ओ समय इसरायलीमन के जनमे बेटामन मार डारे जावय।